पंजाब की एक महिला सूबेदार थीं।

◉ रुहेला सरदार नजीब खाँ - अहमदशाह अब्दाली का विश्वासपात्र था।

(26)

नवीन राज्यों का उदय

Farha

* दक्कन के निजाम :-

-: हैदराबाद :-

◉ हैदराबाद के स्वतन्त्र राज्य का संस्थापक चिनकिलिज खाँ अथवा निजामुल मुल्क था।

◉ उसके पिता गाजीउद्दीन सिद्दीकी फिरोज जंग प्रथम, औरंगजेब की सेवा में थे।

◉ फर्रुखशियर ने निजामुल मुल्क को खान-ए-खाना और निजामुल मुल्क बहादुर फतेह जंग की उपाधि दी।

◉ 11 Oct 1724 को मुबारिज खाँ एवं निजामुल मुल्क के बीच शूकरखेड़ा नामक स्थान पर युद्ध हुआ। बाजीराव की सहायता से निजामुलमुल्क ने मुबारिज खाँ को पराजित किया।

◉ मोहम्मदशाह ने निजामुल मुल्क को 'आसफजाह' की उपाधि दी थी।

◉ निजामुल मुल्क ने 1725 ई० में हैदराबाद को अपनी राजधानी बनाया।

◉ निजामुल मुल्क ने दीनानाथ को अपना दीवान बनाया।

◉ बाजीराव ने पालखेड़ा नामक स्थान पर निजामुल मुल्क को पराजित किया था।

◉ 21 May 1748 ई० को निजामुल मुल्क की मृत्यु हो गई।

◉ Sep 1798 ई० में हैदराबाद के तत्कालीन निजाम अली ने 'लार्ड वैलेजली की सहायक संधि' को स्वीकार कर लिया।

28-02-2019 13:07

- हैदराबाद भारतीय राज्यों में ऐसा प्रथम राज्य था जिसमें वैलेजली की सहायक संधि के अन्तर्गत आंत्रिक सेनारक्षा स्वीकार किया।

राजपूत राज्य

- 18वीं शताब्दी के राजपूतों में दो प्रमुख राज्य मारवाड़ (जोधपुर), आमेर (जयपुर) थे।
- औरंगज़ेब की नीतियों से मेवाड़ के राजा राणा तथा मारवाड़ के अजीतसिंह दोनों असन्तुष्ट थे।
- समकालीन राजपूताना में आमेर के सवाई मिर्जा राजा जयसिंह का स्थान सर्वोपरि था।
- राजा जयसिंह कुशल शासक, महान विधि वेता, खगोलशास्त्री एवं वैज्ञानिक थे।
- जयपुर की स्थापना 1727 ई० में राजा जय सिंह द्वितीय ने की थी।
- जयपुर को गुलाबी नगरी भी कहा जाता है। Farha
- 1876 ई० में तत्कालीन महाराज सवाई रामसिंह ने इंग्लैण्ड की महारानी विक्टोरिया तथा प्रिंस ऑफ वेल्स के युवराज अल्बर्ट एडवर्ड सप्तम के स्वागत में पूरे शहर को गुलाबी रंग से आच्छादित करवा दिया था। तभी से इस शहर का नाम गुलाबी नगरी पड़ा।

भरतपुर का जाट राज्य

- दिल्ली, मथुरा तथा आगरा के समीपवर्ती क्षेत्रों में खेती करनेवाले जमींदार जाट थे।
- औरंगज़ेब की नीतियों का विरोध सर्वप्रथम गोकुल ने 1669 ई० में किया।
- 1686 ई० में राजाराम एवं रामचेरा ने विद्रोह किया।
- 'राजाराम' ने सिकन्दरा स्थित अकबर के मकबरे में दफनायें गये अस्थि-पंजर को निकालकर जला दिया था।

28-02-2019 13:07

चूड़ामल

* इसने भरतपुर के जाट राज्य की नींव डाली।
* इसने थीम नामक स्थान पर दुर्ग बनाया।
* 1721 ई० में Agra के सूबेदार जयसिंह द्वितीय के अधीन मुगल सेना ने दुर्ग को जीत लिया, इस वजह से चूड़ामल ने आत्महत्या कर ली।

बदनसिंह

- यह चूड़ामल का भतीजा था।
- बदन सिंह ने डींग, कुम्बेर, वेद तथा भरतपुर में 4 दुर्ग बनाये, इसीलिए बदन सिंह को भरतपुर राज्य का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- अहमदशाह अब्दाली ने बदनसिंह को 'राजा' की उपाधि दी और उसमें महेन्द्र शब्द भी जोड़ दिया।

Farha

सूरजमल

- बदनसिंह के बाद 'सूरजमल' ने 'जाटों का नेतृत्व' किया।
- इसके राज्य में आगरा, मथुरा, मेरठ तथा अलीगढ़ शामिल थे।
- सूरजमल को लोग जाटों का अफलातून (Plato) कहते थे।
- 1763 ई० में सूरजमल की मृत्यु के बाद जाट राज्य समाप्ति की ओर बढ़ने लगा।
- 1805 ई० में रणधीर सिंह ने अंग्रेजों की अधीनता स्वीकार कर ली इसी के साथ जाट शासन का अन्त हो गया।

सिक्ख राज्य

- गुरु-नानक -

* सिक्खों के प्रथम गुरु - गुरुनानक सिक्ख धर्म के संस्थापक थे।
* इनका जन्म 15 April 1469 ई० को रावी नदी के तट पर ननकाना साहिब (पाकिस्तान) के तलवण्डी नामक स्थान पर खत्री कुल में हुआ था।

28-02-2019 13:08

- गुरुनानक के पिता का नाम कालूजी मेहता (कल्याणचन्द) और माता का नाम तृप्ता देवी था।
- इनकी पत्नी का नाम सुलक्षणा देवी था।
- इनको ज्ञान की प्राप्ति काली बेन नदी के किनारे हुई थी।
- इनके उपदेशों का संकलन गुरु अर्जुन देव के आदिग्रन्थ के जपजी में संकलित किया गया है।
- नानक जी पुनर्जन्म तथा कर्म के सिद्धान्त में विश्वास करते थे।
- नानक जी की मृत्यु 22 September 1539 ई० में करतारपुर नामक स्थान पर हुई थी।
- इन्होंने अपना उत्तराधिकारी अपने शिष्य लहना को बनाया, जो गुरु अंगद के नाम से जाने गये।
- गुरुनानक इब्राहिमलोदी, और महान संत चैतन्य महाप्रभु एवं कबीरदास के समकालीन थे।
- गुरु नानक की मृत्यु हुमायु के समय हुई।
- बाबर के विषय में इन्होंने बाबरवाणी में अपने विचार व्यक्त किये।

गुरु अंगद - (1539-52 ई०)

Farha

- सिक्खों के दूसरे गुरु, गुरु अंगद थे।
- इन्होंने गुरु गद्दी का निर्माण खादुर में किया।
- इन्होंने गुरु नानक द्वारा प्रारम्भ की गई लंगर व्यवस्था को स्थायी बनाया।
- इन्होंने गुरुमुखी लिपी का आविष्कार किया।

सिलग्राम के युद्ध में शेरशाह सूरी से हारने के बाद हुमायू, गुरु अंगद से Punjab में मिला

गुरु अमरदास

- गुरु अंगद के उत्तराधिकारी अमरदास थे।
- इन्होंने कुल 24 गद्दी की स्थापना की।
- सिक्खों के लिए नई विवाह पद्धति लवन को प्रारम्भ किया।
- गुरु अमर दास अकबर के समकालीन थे।

28-02-2019 13:09

◉सम्राट अकबर गुरु अमरदास से गोविन्दवाल में मिला था और गुरु की पुत्री बीबी भानी को सम्मान स्वरूप कुछ गाँव प्रदान किये थे।

गुरु रामदास (1574-1581 ई०)

◉ गुरु अमरदास ने अपने शिष्य एवं दामाद रामदास को सिक्खों का चौथा गुरु बनाया।

◉गुरु रामदास अकबर के समकालीन थे।

◉अकबर ने उन्हें 500 बीघा भूमि प्रदान की थी।

◉इसी जमीन पर गुरु रामदास ने अमृतसर शहर बसाया।

◉इन्होंने अपने तीसरे पुत्र अर्जुन देव को अपना उत्तराधिकारी बनाया।

गुरु अर्जुन देव (1581-1606 ई०)

* 5वें सिक्ख गुरु अर्जुन देव रामदास के पुत्र थे।
सच्चा बादशाह इनकी उपाधि थी।
ये अकबर के समकालीन थे।

Farha

* 1589 ई० में इन्होंने अमृतसर तालाब के मध्य हरि मंदिर साहब (स्वर्णमन्दिर) का निर्माण करवाया।
* हरिमंदिर साहब के निर्माण का शिलान्यास सुप्रसिद्ध मियाँमीर ने किया था।
* गुरु अर्जुनदेव ने "तरनतारन, करतारपुर एवं गोविंदपुर" शहरों को बसाया।
* आदिग्रन्थ की रचना गुरु अर्जुन देव ने की थी।
* इसमें पाँच सिक्ख गुरुओं, 18 हिन्दू सन्तों के उपदेशों का संग्रह किया।
* सूफीसन्त बाबा फरीद, जयदेव, कबीरदास, रैदास, नामदेव एवं रामानन्द जैसे सन्तों का उल्लेख आदिग्रन्थ में किया गया।
* गुरु अर्जुनदेव ने जहाँगीर के विद्रोही पुत्र खुसरो को आशीर्वाद तथा कुछ आर्थिक सहायता दी थी जिसके कारण जहाँगीर ने उन्हें 30 May 1606 ई० को बन्दीगृह में मरवा दिया था।

28-02-2019 13:09

गुरु गोविन्द (1606-1644 ई०)

* इन्होंने 12 फीट ऊँचा अकाल तख्त बंगा का निर्माण करवाया।
* दरबार में नगाड़ा बजाने की व्यवस्था की।
* सुरक्षा की दृष्टि से (अमृतसर की) जहाँगीर ने उन्हें अपने पिता के 25 लाख जुर्माने की राशि न देने के कारण दो वर्ष तक - ग्वालियर के किले में कैद करके रखा गया।
* गुरु गोविंद ने कश्मीर में कीरतपुर नगर बसाया और वहीं पर 1644 ई० में उनकी मृत्यु हो गई।

गुरु हरराय (1644-1661 ई०)

* गुरु हर राय, शाहजहाँ के पुत्रों के उत्तराधिकार में दारा-शिकोह के पक्षधर थे।
* दारा शिकोह उत्तराधिकार के युद्ध में पराजित होने के बाद गुरु हर राय से मिला पर गुरु हरराय ने अपना उत्तराधिकारी अपने छोटे पुत्र हरकिशन को बनाया।

गुरु हर किशन (1661-1664 ई०)

Farha

* गुरु हर किशन गुरु हर राय के छोटे पुत्र थे।
* हर किशन की मृत्यु चेचक से हो गई थी।

28-02-2019 13:10

गुरु तेग बहादुर (1664-1675 ई०)

- गुरु तेग बहादुर, गुरु हर गोविन्द के पुत्र थे।
- इन्होंने अपनी गद्दी माखोवाल (अमृतसर) में बनाई थी।
- इन्होंने मुगलों के विरुद्ध करतारपुर का युद्ध लड़ा।
- 1675 ई० में औरंगजेब ने इन्हें गिरफ्तार कर इस्लाम धर्म स्वीकार करने को कहा, इंकार करने पर उनकी हत्या करवा दी।
- तेगबहादुर की याद में दिल्ली में शीशगंज गुरुद्वारा का निर्माण कराया गया है।
- इन्होंने ही आनन्दपुर नगर (दिल्ली) बसाया था।

गुरु गोविन्द सिंह (1675-1708 ई०)

* यह सिक्खों के दसवें एवं अन्तिम गुरु थे। farha
* इनका जन्म बिहार के पटना में हुआ था।
* 1699 ई० में 'दल खालसा' की स्थापना गुरु गोविंद सिंह ने की थी।
* इन्होंने लुप्त आदि ग्रन्थ को "दशमपादशाह का ग्रन्थ" के नाम से पुनः संकलित करवाया।
* इन्होंने सिक्खों के लिए पाँच-ककार- केश, कच्छा, कंघा, कड़ा व कृपाण को अनिवार्य बनाया।
* इन्होंने 'पाहुल' नामक एक त्योहार चलाया।
* गुरु गोविंद सिंह ने पहाड़ी प्रदेश में पाओन्टा (हिमाचल प्रदेश) नामक स्थान की स्थापना की।
* उनकी आत्मकथा 'विचित्र नाटक' है।
* गुरु गोविन्द सिंह ने लौहगढ़, फतेहगढ़, आनन्द गढ़ और केशगढ़ के किले बनवाये।
* 80 हजार सैनिकों की खालसा सेना तैयार की।
* अजीम खाँ ने 1708 ई० में नांदेड़ (महाराष्ट्र) में उनकी हत्या कर दी।
* गोविंद सिंह हिन्दी, संस्कृत तथा फारसी के विद्वान थे।
* इन्होंने पुरुष सिक्खों को 'सिंह' और महिला सिक्खों को 'कौर' टाइटिल धारण करने को कहा।

28-02-2019 13:10

* गुरु गोविन्द सिंह का विचार था कि, "मैं चारो वर्णों को सिंह बना दूँगा और मुगलों को भारत से मिटा दूँगा।"
* बहादुर शाह ने गुरु गोविन्द सिंह को '5,000 जात' तथा 5,000 सवार का मनसब प्रदान किया था।
* गुरु गोविन्द सिंह की मृत्यु के बाद गुरु की परम्परा समाप्त हो गई तथा सिक्खों का नेतृत्व बन्दा बहादुर ने संभाला।

बन्दा बहादुर (1708-16 ई०)

* बन्दा बहादुर के बचपन का नाम लक्ष्मण देव था। इसका जन्म 1670 ई० में कश्मीर के पुँछ जिले के राजौरी नामक गाँव में हुआ था।
* बन्दा बहादुर ने गुरुनानक एवं गोविन्द सिंह नाम के सिक्के चलवाये और सिक्ख राज्य की मोहर बनवाई।
* बन्दा बहादुर ने "वाहे गुरु जी का खालसा" के स्थान पर "फतह दर्शन" का नारा दिया।
* 1716 में बन्दा बहादुर की हत्या के बाद सिक्ख दो दलो में विभक्त हो गये।
  (i) बन्दई - ये बन्दा बहादुर के अनुयायी थे।
  (ii) तत्खालसा - ये कट्टर सिक्खपंथी थे।

Farhan

महाराजा रणजीत सिंह

* महाराजा रणजीत सिंह का जन्म 13 Nov 1780 ई० को सुकरचकिया मिसल के मुखिया महासिंह के घर हुआ था।
* 1792 ई० में इनके पिता महासिंह की मृत्यु हो गई थी।
* आधुनिक पंजाब के निर्माण का श्रेय सुकरचकिया मिसल को दिया जाता है।
* रणजीत सिंह ने 1799 में लाहौर और 1802 में अमृतसर पर कब्जा किया, बाद में कश्मीर, पेशावर एवं मुल्तान को भी जीत लिया।
* रणजीत सिंह ने अपनी राजधानी लाहौर तथा धार्मिक राजधानी अमृतसर बनाई।
* 1808 ई० में रणजीत सिंह ने सतलज नदी के पार फरीदकोट, मालेरकोटा तथा अम्बाला पर कब्जा कर लिया।

28-02-2019 13:10

- काबुल के शासक जमानशाह ने रणजीत सिंह को 'राजा' की उपाधि दी थी।

अमृतसर की संधि (1809ई०)

- 'अमृतसर की संधि' चार्ल्स मेटकॉफ एवं रणजीत सिंह के बीच 1809 ई० में हुई।
- संधि के अनुसार, रणजीत सिंह के सतलज नदी के पूर्वी तट पर विस्तार को सीमित कर दिया गया किन्तु उत्तर में राज्य विस्तार कर सकता था।
- 1809 ई० में रणजीत सिंह ने लाहौर के अपदस्थ शासक शाहशुजा को पुनः सत्तासीन करने में सहायता दी जिसके कारण शाहशुजा ने रणजीत सिंह को 'कोहिनूर हीरा' दिया। जिसे नादिरशाह लाल-किले से लूट कर ले गया था।
- रणजीत सिंह भारत के पहले शासक थे जिन्होंने न तो अंग्रेजों की सहायक संधि स्वीकार की और न ही ब्रिटिश प्रभुसत्ता के सामने समर्पण किया।
- फ्रांसीसी यात्री विक्टर जैक्वेमौंट ने रणजीत सिंह की तुलना नेपोलियन बोनापार्ट से की।

रणजीत सिंह का प्रशासन

Fasha

- रणजीतसिंह ने British एवं फ्रांसीसी सैन्य व्यवस्था के आधार पर कुशल, प्रशिक्षित एवं सुसंगठित सेना का गठन किया था।
- रणजीत सिंह की स्थायी सेना को फौज-ए-आम नाम से जाना जाता था।
- ध्यान सिंह, महाराजा रणजीत सिंह का वज़ीर था।
- भगवानदास व दीनानाथ, महाराजा रणजीत सिंह के वित्तमंत्री थे।
- रणजीत सिंह के तोपखाने का अधीक्षक इलाही बख्श था।
- रणजीत सिंह की सरकार को सरकार-ए-खालसा नाम दिया, इन्होंने नानक शाही सिक्के चलाये।
- शेर-ए-पंजाब के नाम से महाराजा रणजीतसिंह को जाना जाता है।

28-02-2019 13:11

प्रथम आँग्ल सिक्ख युद्ध (1845-46ई०)

* इस समय पंजाब का शासक रणजीत सिंह का पुत्र दिलीपसिंह था।
* इस समय भारत का गवर्नर जनरल लॉर्ड हार्डिंग था।
* प्रथम आंग्ल सिक्ख युद्ध पंजाब की सेना (सिक्ख सेना) एवं अंग्रेजी सेना के बीच लड़ा गया
* प्रथम आंग्ल सिक्ख युद्ध में पंजाब की सेना का नेत्रत्व लालसिंह और अंग्रेजी सेना का नेत्रत्व लार्ड हयूगफ ने किया।
* इस युद्ध में चार लड़ाईयाँ -मुदकी, फीरोजशाह, बद्दोवाल, आलीवाल ऐसी हुई जो निर्णायक नहीं थी।
* इस युद्ध में सिक्ख सेना पराजित हुई तथा अंग्रेजों के साथ 9 mar 1846 में लाहौर की संधि कर ली।
* लाहौर की संधि के द्वारा लाहौर में सर हेनरी लारेंस को British रेजीडेण्ड' नियुक्त किया गया।
* अंग्रेजों ने 1 Crore Rs में कश्मीर को गुलाब सिंह को बेच दिया।

*- द्वितीय आँग्ल सिक्ख युद्ध (1848-49ई०) farha

* इस समय पंजाब का शासक दिलीप सिंह था और भारत का गवर्नर जनरल - लार्ड डलहौजी था।
* इस युद्ध में सिक्ख सेना का नेतृत्व शेर सिंह ने किया।

(i) रामनगर की लड़ाई :- इस युद्ध में अंग्रेजी सेना का नेतृत्व - लार्ड गॉफ ने किया। यह युद्ध अनिर्णायक रहा।

(ii) चिलियाँवाला की लड़ाई :- 13 Jan 1849ई० को झेलम नदी के तट पर यह युद्ध लड़ा गया।
इस युद्ध में अंग्रेजों का नेतृत्व जनरल गॉफ ने किया, यह युद्ध भी अनिर्णायक रहा।

28-02-2019 13:11

(iii) गुजरात की लड़ाई :- यह युद्ध तोपों के युद्ध के नाम से जाना जाता है।

⇒ 21 Feb 1849 ई० को चिनाब नदी के किनारे गुजरात की लड़ाई लड़ी गई।

⇒ इस लड़ाई में अंग्रेजी सेना का नेतृत्व जनरल गॉफ के स्थान पर चार्ल्स नेपियर ने किया।

⇒ यह अन्तिम और निर्णायक युद्ध हुआ, इस युद्ध के परिणाम स्वरूप पूरा पंजाब अंग्रेजों के अधीन हो गया।

अवध

* अवध राज्य की सीमायें पश्चिम में Kannauj से लेकर पूरब में कर्मनाशा नदी तक फैली थी।
* अवध के स्वतन्त्र राज्य का संस्थापक शआदत खाँ अथवा बुरहान-उल-मुल्क था।
* मुगल बादशाह मोहम्मद शाह रंगीला के शासन काल में अवध के स्वतन्त्र राज्य का निर्माण हुआ।
* शआदत खाँ ने अपने स्वतन्त्र राज्य की राजधानी फैजाबाद को बनाया।
* मोहम्मद शाह ने उसे 1720 - 22 ई० तक आगरा का गवर्नर बनाया और बुरहान-उल-मुल्क की उपाधि दी।
* शआदत खाँ ने नादिर शाह को दिल्ली पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया और 20 crore Rs. मिलने का लालच दिया।
* नादिर शाह ने, शआदत खाँ से जब धन माँगा तो उसने 1739 ई० में जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

सफदर जंग (1739 - 54 ई०)

Farha

* शआदत खाँ का कोई पुत्र नहीं था, अतः उसका भतीजा सफदरजंग उत्तराधिकारी बना।
* मुगल सम्राट मोहम्मद शाह ने सफदरजंग को अवध का सूबेदार नियुक्त किया।

28-02-2019 13:11

आसफउद्दौला (1775-97ई०)

* शुजाउद्दौला के बाद उसका पुत्र आसफुद्दौला 1775ई० में नवाब बना।
* इसने अपनी राजधानी फैजाबाद से लखनऊ 1775 ई० में स्थानांतरित की।
* आसफउद्दौला ने लखनऊ में 1784ई० में बड़ा इमामबाड़ा बनवाया।
* –

फैजाबाद की संधि

⊙ फैजाबाद की संधि नवाब आसफउद्दौला एवं अंग्रेजों के बीच हुई।
⊙ इस संधि द्वारा बनारस पर अंग्रेजी सर्वोच्चता स्थापित हो गई।
⊙ अंग्रेजों ने अवध की बेगमों के सम्पति की सुरक्षा की गारण्टी दी।

वज़ीर अली (1797-98)

* आसफउद्दौला के बाद उसका पुत्र वजीर अली कुछ महीनों का नवाब बना।
* इसके बाद शआदत अली खाँ 1798ई० में नवाब बना।

शआदत अली खाँ II (1798-1814ई०)

Farha

* यह नवाब आसफउद्दौला का भाई था।
* सर जॉन शोर से संधि करने के बाद गद्दी प्राप्त की और बदले में अंग्रेजों को इलाहबाद का जिला प्रदान किया।
* 1801ई० में लॉर्ड वेलेजली से 'सहायक संधि' करने वाला अवध का नवाब शआदत अली खाँ द्वितीय था।
* लॉर्ड हेस्टिंग्स ने शआदत अली खाँ द्वितीय को 'राजा' की उपाधि दी थी।
* शआदत अली खाँ द्वितीय के बाद गाजीउद्दीन हैदर अली खाँ नवाब बना।
* वारेन हेस्टिंग्स ने 1815ई० में गाजीउद्दीन हैदर अली खाँ को 1815ई० में बादशाह की उपाधि प्रदान की।

28-02-2019 13:12

आसफउद्दौला (1775-97ई०)

* शुजाउद्दौला के बाद उसका पुत्र आसफुद्दौला 1775 ई० में नवाब बना।
* इसने अपनी राजधानी फैजाबाद से लखनऊ 1775 ई० में स्थानांतरित की।
* आसफउद्दौला ने लखनऊ में 1784 ई० में बड़ा इमामबाड़ा बनवाया।
* –

फैजाबाद की संधि

◉ फैजाबाद की संधि नवाब आसफउद्दौला एवं अंग्रेजों के बीच हुई।
◉ इस संधि द्वारा बनारस पर अंग्रेजी सर्वोच्चता स्थापित हो गई।
◉ अंग्रेजों ने अवध की बेगमों के सम्पत्ति की सुरक्षा की गारण्टी दी।

वज़ीर अली (1797-98)

* आसफउद्दौला के बाद उसका पुत्र वजीर अली कुछ महीनों का नवाब बना।
* इसके बाद शआदत अली खाँ 1798 ई० में नवाब बना।

शआदत अली खाँ II (1798-1814 ई०)

Farha

* यह नवाब आसफउद्दौला का भाई था।
* सर जॉन शोर से संधि करने के बाद गद्दी प्राप्त की और बदले में अंग्रेजों को इलाहबाद का जिला प्रदान किया।
* 1801 ई० में लॉर्ड वेलेजली से 'सहायक संधि' करने वाला अवध का नवाब शआदत अली खाँ द्वितीय था।
* लॉर्ड हेस्टिंग्स ने शआदत अली खाँ द्वितीय को 'राजा' की उपाधि दी थी।
* शआदत अली खाँ द्वितीय के बाद गाजीउद्दीन हैदर अली खाँ नवाब बना।
* वारेन हेस्टिंग्स ने 1815 ई० में गाजीउद्दीन हैदर अली खाँ को 1815 ई० में बादशाह की उपाधि प्रदान की।

28-02-2019 13:12

वाजिद अली शाह (1847-56ई०)

* यह अवध का अंतिम नवाब था
* 1854 ई० में आउट्रम की रिपोर्ट के आधार पर लॉर्ड डलहौजी ने 4 Feb 1856 को अवध पर कुशासन का आरोप लगाकर अवध राज्य को हड़प लिया।
* हड़पनीति का जनक - लॉर्ड डलहौजी को माना जाता है।

मैसूर राज्य

* 18वीं शताब्दी में मैसूर का राजा चिक्का कृष्णराज था।
* इसके शासन की वास्तविक शक्ति इसके दो मंत्रियों नंजराज एवं देवराज के हाथ में थी।

हैदर अली (1761-82ई०)

farha

* हैदर अली का जन्म मैसूर के कोलार (कर्नाटक) जिले में 1721ई० में हुआ था।
* मैसूर के प्रधानमंत्री नंजराज ने हैदर अली को 1755ई० में डिंडीगुल का फौजदार नियुक्त किया।
* फौजदार बनने के बाद उसने अपनी निरक्षरता की कमी को दूर करने के लिए खाण्डेराव को अपना सलाहकार नियुक्त किया।
* फ्रांसीसियों की सहायता से हैदर अली ने 1755ई० में डिंडीगुल में आधुनिक शस्त्रागार की स्थापना की।
* 1761 ई० तक हैदर अली के पास मैसूर की समस्त शक्ति केन्द्रित हो गई।
* 1764 ई० में पेशवा माधवराव ने हैदर अली को एक युद्ध में हराया और 1765 ई० में हैदर अली और मराठों में संधि हुई, जिसमें हैदर अली ने 28 Lakh Rs. प्रति वर्ष देने का वादा किया।

28-02-2019 13:12

वाजिद अली शाह (1847-56ई०)

* यह अवध का अंतिम नवाब था
* 1854 ई० में आउट्रम की रिपोर्ट के आधार पर लॉर्ड डलहौजी ने 4 Feb 1856 को अवध पर कुशासन का आरोप लगाकर अवध राज्य को हड़प लिया।
* हड़पनीति का जनक - लॉर्ड डलहौजी को माना जाता है।

मैसूर राज्य

* 18वीं शताब्दी में मैसूर का राजा चिक्का कृष्णराज था।
* इसके शासन की वास्तविक शक्ति इसके दो मंत्रियों नंजराज एवं देवराज के हाथ में थी।

हैदर अली (1761-82ई०)

farha

* हैदर अली का जन्म मैसूर के कोलार (कर्नाटक) जिले में 1721ई में हुआ था।
* मैसूर के प्रधानमंत्री नंजराज ने हैदर अली को 1755ई० में डिंडीगुल का फौजदार नियुक्त किया।
* फौजदार बनने के बाद उसने अपनी निरक्षरता की कमी को दूर करने के लिए खाण्डेराव को अपना सलाहकार नियुक्त किया।
* फ्रांसीसियों की सहायता से हैदर अली ने 1755ई० में डिंडीगुल में आधुनिक शस्त्रागार की स्थापना की।
* 1761 ई० तक हैदर अली के पास मैसूर की समस्त शक्ति केन्द्रित हो गई।
* 1764 ई० में पेशवा माधवराव ने हैदर अली को एक युद्ध में हराया और 1765 ई० में हैदर अली और मराठों में संधि हुई, जिसमें हैदरअली ने 28 Lakh Rs. प्रति वर्ष देने का वादा किया।

28-02-2019 13:12

प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध (1767-69ई०)

* यह युद्ध अंग्रेजों एवं हैदरअली + निजाम + मराठा-(संयुक्तसेना) के बीच हुआ था।
* इसमें निजाम अंग्रेजों से मिल गया।
* हैदर अली ने अंग्रेजों को मंगलौर में हराया था।
* युद्ध समाप्त होने के बाद 4 April 1769ई० को अंग्रेजों ने हैदरअली से मद्रास की संधि कर ली।

द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780-84ई०)

* हैदर अली और अंग्रेजों के मध्य द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध होने के निम्नलिखित कारण थे-
  - मद्रास की संधि का अंग्रेजों द्वारा उल्लंघन। Farha
  - अंग्रेजो ने माहे नामक फ्रांसीसी बस्ती पर अधिकार करना।
* 1780ई० में हैदर अली ने कर्नाटक पर आक्रमण कर द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध की शुरुआत की एवं अंग्रेज जनरल बेली को हराया।
* 1781 ई० में आयरकूट ने हैदर अली को पोर्टोनोवा और पोलीलोर के युद्धों में हराया।
* 1782 ई० में हैदर अली ने पुनः अंग्रेजी सेना को हराया परन्तु युद्ध में घायल हो जाने के कारण 6 Dec 1782 ई० में हैदर अली की मृत्यु हो गई।
* हैदर अली की मृत्यु के बाद 1784 ई० तक हैदर अली के पुत्र टीपू ने युद्ध जारी रखा।
* मंगलौर की संधि March 1784 ई० में टीपू और मद्रास के अंग्रेज गवर्नर जार्ज मैकार्टनी के साथ हुई।
* मंगलौर की संधि से द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध समाप्त हो गया।

28-02-2019 13:12

टीपू सुल्तान (1782-99 ई०)

* टीपू का जन्म 20 Nov 1750 ई० को हुआ था।
* 1782 ई० में हैदर अली की मृत्यु के बाद उसका पुत्र टीपू मैसूर का शासक बना।
* टीपू ने सुल्तान की उपाधि धारण की थी।
* टीपू ने नई मुद्रा, नई मापतौल की इकाई एवं नया संवत शुरू किया।
* टीपू ने जारी सिक्कों पर हिन्दु देवी देवताओं के चित्र अंकित करवाये।
* टीपू ने वर्ष व माह अंकित करवाने के लिए अरबी भाषा का प्रयोग किया।
* टीपू प्रथम भारतीय शासक था जिसने अपना प्रशासन यूरोपीय प्रशासन के आधार पर निर्मित किया।
* टीपू ने फ्रांसीसी सैनिकों के अनुरोध पर श्रीरंगपट्टनम में जैकोबिन क्लब की स्थापना में सहयोग किया एवं स्वयं इसका सदस्य बना।
* टीपू ने मैसूर एवं फ्रांसीसी मित्रता का प्रतीक 'स्वतन्त्रता वृक्ष' लगाया।
* टीपू ने विदेशी राज्यों से राजनीतिक सम्बन्ध स्थापित करने के लिए कबुल, फारस, अरब, फ्रांस, तुर्की एवं मॉरीशश में अपने राजदूत भेजे।
* टीपू ने 1796 ई० में नौसेना बोर्ड का गठन किया। Farha
* टीपू ने मंगलौर, मोलीदाबाद, वाजिदाबाद में डाकयार्ड का निर्माण करवाया।
*

तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790-92 ई०) Farha

- यह युद्ध अंग्रेज + निजाम + मराठों (संयुक्त सेना) एवं टीपू के मध्य लड़ा गया।
- अंग्रेजी सेना का नेतृत्व मजबूत था जिसके कारण टीपू सुल्तान पराजित हुआ।

28-02-2019 13:12

टीपू सुल्तान (1782-99ई०)

* टीपू का जन्म 20 Nov 1750ई० को हुआ था।
* 1782ई० में हैदर अली की मृत्यु के बाद उसका पुत्र टीपू मैसूर का शासक बना।
* टीपू ने सुल्तान की उपाधि धारण की थी।
* टीपू ने नई मुद्रा, नई मापतौल की इकाई एवं नया संवत शुरू किया।
* टीपू ने जारी सिक्कों पर हिन्दु देवी देवताओं के चित्र अंकित करवाये।
* टीपू ने वर्ष व माह अंकित करवाने के लिए अरबी भाषा का प्रयोग किया।
* टीपू प्रथम भारतीय शासक था जिसने अपना प्रशासन यूरोपीय प्रशासन के आधार पर निर्मित किया।
* टीपू ने फ्रांसीसी सैनिकों के अनुरोध पर श्रीरंगपट्टनम में-जैकोबिन क्लब की स्थापना में सहयोग किया एवं स्वयं इसका सदस्य बना।
* टीपू ने मैसूर एवं फ्रांसीसी मित्रता का प्रतीक 'स्वतन्त्रता वृक्ष' लगाया।
* टीपू ने विदेशी राज्यों से राजनीतिक सम्बन्ध स्थापित करने केलिए कबुल, फारस, अरब, फ्रांस, तुर्की एवं मॉरीशश में अपने राजदूत भेजे।
* टीपू ने 1796 ई० में नौसेना बोर्ड का गठन किया। Farha
* टीपू ने मंगलौर, मोलीदाबाद, दाजिदाबाद में डाकयार्ड का निर्माण करवाया।
*

तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790-92ई०) Farha

⊙ यह युद्ध अंग्रेज + निजाम + मराठों (संयुक्तसेना) एवं टीपू के मध्य लड़ा गया।

⊙ अंग्रेजी सेना का नेतृत्व मजबूत था जिसके कारण टीपू सुल्तान पराजित हुआ।

28-02-2019 13:12

सरफराज खाँ (1739-40ई०)

* सरफराज 1739ई० में अपने पिता शुजाउद्दीन की मृत्यु के बाद बंगाल का नवाब बना।
* सरफराज ने आलम-उद-दौला-हैदरजंग की उपाधि धारण की।
* अलीवर्दी खाँ ने हाजी अहमद और जगत सेठ की सहायता से 10 Mar 1740 ई० को गिरिया युद्ध में सरफराज को हराया और बंगाल का नवाब बना।

अलीवर्दी खाँ (1740-56ई०)

* इसे मिर्जा मोहम्मद खाँ की भी संज्ञा दी जाती है।
* वह बंगाल, बिहार और उड़ीसा प्रदेश का नवाब था।
* 1751 ई० में अली वर्दी खाँ ने रघुजी भोसले (मराठा) से संधि की जिसमें उसे 12 Lakh Rs. वार्षिक चौथ व उड़ीसा का सूबा मराठों को देना पड़ा।
* अली वर्दी खाँ यूरोपियनों को मधुमक्खियों के समान मानता था। उसका कहना था कि, "यदि यूरोपियन को न छेड़ा जाये तो वह शहद देंगी और यदि छेड़ा जाये तो वे काट-काट कर मार डालेंगी।"
* अलीवर्दी खाँ की 1756 ई० में पेचिश के कारण मृत्यु हो गई।

सिराज-उद-दौला (1756-57ई०)

* अलीवर्दी खाँ की मृत्यु के बाद उसका नाति - मिर्जा मोहम्मद सिराज-उद-दौला 23 वर्ष की आयु में बंगाल का नवाब बना।
* सिराज ने शौकतजंग, अंग्रेजों एवं घसीटी बेगम को हराया।
* सिराज-उद-दौला ने मीरजाफर को सेनापति पद से हटाकर मीरमदान को सेनापति बनाया।
* सिराज Oct 1756 ई० में शौकतजंग को मनिहारी के युद्ध में हराया।

* 1792 ई० में अंग्रेजों एवं टीपू के बीच 'श्रीरंगपट्टनम की संधि' हुई। इस संधि के अनुसार टीपू को 3 Crore Rs., लड़ाई का हर्जाना तथा आधा राज्य अंग्रेजों को देना पड़ा।

चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799 ई०)

* अंग्रेजों ने पुनः निजाम एवं मराठों से संधि कर ली। अंग्रेजी सेना का नेतृत्व वेलेजली हैरिस और स्टुअर्ट ने किया।
* 4 May 1799 ई० को टीपू युद्ध में मारा गया।
* मैसूर जीत की खुशी में आयरलैण्ड के लार्ड समाज में वेलेजली को मार्किस आव वेलेजली की उपाधि दी गई।

बंगाल राज्य

Richa

* 1701 ई० में औरंगजेब ने मुर्शिद कुली खाँ को बंगाल का सूबेदार नियुक्त किया।
* मुर्शिद कुली खाँ बंगाल, बिहार एवं ओड़िशा का सूबेदार था।
* औरंगजेब की मृत्यु के बाद बंगाल मुर्शिद कुली खाँ के नेतृत्व में पूर्ण स्वतन्त्र राज्य बना।
* 1704 ई० में मुर्शिद कुली खाँ ने बंगाल की राजधानी ढाका से मुर्शिदाबाद स्थानान्तरित की।
* बंगाल में 'इजारेदारी प्रथा' मुर्शिद कुली खाँ ने प्रारम्भ की थी।
* मुर्शिद को बंगाल में नई जमींदारी पर आधारित कुलीनवर्ग का जनक माना जाता है।

शुजाउद्दीन (1727-39 ई०)

* यह मुर्शिद कुली का दामाद था।
* मुर्शिद की मृत्यु के बाद शुजाउद्दीन (शुजाउद्दौला) 1727 ई० में बंगाल का नवाब बना।
* इसने बिहार का नायब सूबेदार अलीवर्दी खाँ को बनाया।

28-02-2019 13:13

ब्लैक होल घटना (20 June 1756)

* काल कोठरी की दुर्घटना का विवरण हालवेल ने एलाइव द वन्डर नामक पुस्तक में दिया था। उसके अनुसार 146 अंग्रेज कैदियों को नवाब के आदेशानुसार 18 feet लम्बी और 14 feet 10 inch चौड़ी एक अंधेरी कोठरी में 20 June 1756 ई० की रात को बन्द कर दिया गया। June की गर्मी के कारण 21 June 1756 ई० की सुबह उनमें से 123 व्यक्ति दम घुटने से मर गये और केवल 23 व्यक्ति शेष बचे। यह घटना 'कलकत्ता की कालकोठरी' के नामसे प्रसिद्ध है।

प्लासी का युद्ध (23 June 1757)

* यह युद्ध अंग्रेज सेना एवं बंगाल के नवाब सिराज-उद-दौला के बीच हुआ।
* अंग्रेज सेना का नेतृत्व लार्ड क्लाइव ने किया जबकि नवाब की सेना का नेतृत्व मीरजाफर, यार लतीफ खाँ एवं राय दुर्लभ ने किया।
* नवाब की सेना के नेतृत्व कर्ता राजद्रोही थे जो अंग्रेजों से मिले हुए थे, उन्होनें ने युद्ध में कोई भूमिका नहीं निभाई।
* सिराज-उद-दौला की सेना के वफादार सिपाही मीरमदान और मोहनलाल युद्ध में मारे गये।
* सिराज-उद-दौला की भी हत्या कर दी गई।
* 29 June 1757 ई० को क्लाइव ने मीरजाफर को बंगाल का नवाब बनाया।
* प्लासी का युद्ध सामरिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व नहीं रखता है क्योंकि यह युद्ध धोखे और छल से जीता गया था।
* सर जादुनाथ सरकार ने लिखा है कि, "23 June 1757 ई० को भारत में मध्य कालीन युग का अंत हो गया और आधुनिक युग का शुभारम्भ हुआ।"
* प्लासी का युद्ध भागीरथी नदी के तट पर स्थित प्लासी स्थान पर लड़ा गया था।

28-02-2019 13:13

मीर जाफर (1757 - 1760 ई०)

* मीरजाफर के समय से बंगाल में Company King Maker की भूमिका निभाने लगी।
* बंगाल की नवाबी प्राप्त करने के उपलक्ष्य में मीरजाफर ने Company को '24 परगना' की जमींदारी प्रदान की।
* 1760 ई० में मीरजाफर ने अपने दामाद मीरकासिम के पक्ष में सिंहासन त्याग दिया।

मीर कासिम (1760 - 1763 ई०)

* मीरकासिम ने राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर हस्तान्तरित की।
* मीर कासिम ने राजस्व प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार रोकने का प्रयास किया।
* मीर कासिम ने मुंगेर में तोपों तथा तोड़दार बन्दूकें बनाने की व्यवस्था की।
* मीर कासिम ने समरु नामक एक जर्मन को अपना सेनापति नियुक्त किया।
* मीर कासिम ने Mar 1763 में 2 वर्ष के लिए समस्त व्यापारिक करों एवं चुंगियों को समाप्त कर दिया।
* July 1763 ई० में Company ने मीरकासिम को अपदस्थ कर मीर जाफर को पुनः नवाब बनाया।

बक्सर का युद्ध (22 Oct 1764 ई०)

* यह युद्ध अंग्रेजी सेना एवं 'मीरकासिम + शाह आलम द्वितीय + शुजाउद्दौला' (संयुक्त सेना) के बीच हुआ।
* इस युद्ध में अंग्रेजी सेना का नेतृत्व मेजर हैक्टर मुनरो ने किया।
* इस युद्ध में अंग्रेजों की जीत हुई परिणामस्वरूप बंगाल, बिहार एवं उड़ीसा पर Company का अधिकार हो गया।
* अवध अंग्रेजों का कृपापात्र बन गया।
* 5 feb 1765 में मीरजाफर की मृत्यु के बाद Company ने उसके पुत्र नज्मुद्दौला को अपने संरक्षण में नवाब बनाया।

28-02-2019 13:13

* कुछ समय बाद 50 लाख की वार्षिक पेंशन नजमुद्दौला को देकर बंगाल की सत्ता लॉर्ड क्लाइव ने अपने हाथ में ले ली।
* नजमुद्दौला की मृत्यु के बाद 1766ई० में सैफ-उद-दौला बंगाल का नवाब बना।
* अंग्रेजों ने सैफ-उद-दौला की पेंशन घटाकर 12 लाख रुपया वार्षिक कर दी।
* मुबारक-उद-दौला बंगाल का अन्तिम नवाब था। अंग्रेजों ने इसकी वार्षिक पेंशन घटाकर 10 लाख रु० कर दी।
* तत्कालीन मुख्यन्यायाधीश इम्पे ने मुबारक-उद-दौला को फैंटम (बेताल) की संज्ञा प्रदान की थी।

बंगाल में द्वैध शासन (1765-72ई०)

* 'इलाहबाद की संधि' (1765 ई०) के अनुसार बंगाल में दोहरा शासन स्थापित हुआ।
* बंगाल में द्वैध शासन का जनक लियोनिस कार्टिस को माना जाता है।
* बंगाल के नबाब ने Company को निजामत और मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय ने बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी दे दी।
* Company ने भारतीय कर्मचारियों के हाथ में मालगुजारी वसूल करने तथा न्याय करने का कारोबार सौंपा। ये कर्मचारी नायब नाजिम कहलाते थे।
* बंगाल में रजा खाँ को नायब नाजिम नियुक्त किया गया और केन्द्र-मुर्शिदाबाद बनाया गया।
* बिहार का नायब नाजिम सिताबराय को नियुक्त किया गया और केन्द्र-पटना बनाया गया।
* उड़ीसा में रायदुर्लभ को नियुक्त किया गया।
* सर जार्ज कार्नवालिस ने कहा था कि, "मैं निश्चय पूर्वक यह कह सकता हूँ कि 1765-85ई० तक ईस्ट इण्डिया कम्पनी की सरकार से अधिक भ्रष्ट, झूठी तथा बुरी सरकार संसार के किसी भी सभ्यदेश में नहीं थी।"
* 1772 में वारेन हेस्टिंग्स ने द्वैध शासन का अन्त कर दिया।
* क्लाइव ने युद्ध काल में मिलने वाला दोहरा भत्ता सिपाहियों को 1766ई० में बंद कर दिया।

28-02-2019 13:14

* पर्सिवल स्पीयर के अनुसार, "क्लाइव भारत में अँग्रेजी साम्राज्य का निर्माता ही नहीं बल्कि भविष्य का अग्रदूत था।"
* 1767 ई० में लार्ड क्लाइव पर इंग्लैण्ड में अभियोग चलाया गया। इस अभियोग के कारण उसने 1774 ई० में आत्महत्या कर ली।

महत्वपूर्ण तथ्य

* युक्लिड की रचना 'रेखागणित' का संस्कृत में अनुवाद जयसिंह द्वितीय ने करवाया था।
* जयपुर शहर के वास्तुविद विद्याधर चक्रवर्ती थे।
* सवाई राजा जयसिंह ने बदनसिंह को 'बृजराज' की उपाधि प्रदान की थी।
* हजरत रब्बुल मजीद की उपाधि गुरु नानक की थी।
* दारा शिकोह के आध्यात्मिक गुरु मियाँमीर थे।
* फारसी भाषा में 'जफरनामा' गुरु गोविंद सिंह ने लिखा था।
* पंजाब के अन्तिम महाराजा दिलीप सिंह की संरक्षिका रानी जिन्दल थीं।
* सर जॉन लॉरेन्स एक ब्रिटिश शासक था जिसे सिक्खों ने बिना जूता उतारे अमृतसर के स्वर्णमन्दिर में प्रवेश दिया था।
* सिक्खों द्वारा चाँदी के प्रचलित सिक्कों का नाम देग, तेग एवं फतह था।
* पंजाब के सुप्रसिद्ध प्रेममहाकाव्य - 'हीर रांझा' की रचना वारिस शाह ने की।
* सिक्ख वंश के अन्तिम राजा दिलीप सिंह की मृत्यु 1893 ई० में पेरिस में हुई थी।
* टीपू सुल्तान ने चाँदी के सिक्के आबिदी (87 ग्रेन), बाकिरी (43 ग्रेन) जाफरी (20 ग्रेन) चलवाये थे।
* हीरा इमामबाड़ा 1838 ई० में मोहम्मद अली शाह ने बनवाया था।
* 18वीं शताब्दी में केरल में कथकली नृत्य का विकास हुआ।
* केरल में सतीप्रथा का प्रचलन नहीं था। वहाँ का समाज मातृसत्तात्मक था।
* 18वीं सदी में त्रावणकोर (केरल) राज्य की स्थापना 1729 ई० में राजा मार्तण्ड वर्मा ने की थी।

28-02-2019 13:14

* प्लासी के युद्ध के समय बंगाल का गवर्नर रोजर ड्रेक था।
* फतेह चन्द को जगत सेठ की उपाधि मोहम्मद शाह द्वारा प्रदान की गई थी।
* मुर्शिदाबाद के किसी दरबारी ने मीरजाफर का नाम "कर्नल क्लाइव का गधा" रखा था।
* मीर जाफर ने मुगल सम्राट आलमगीर द्वितीय से 'अमरा' की उपाधि दिलवाई थी।
* मीर कासिम द्वारा नियुक्त समरु नामक जर्मन सेनापति का वास्तविक नाम वाल्टर रीन हार्ड था।
* मीर कासिम ने सरकारी अफसरों से खिजरी नामक कर वसूल किया था।
* बंधुआ मजदूरी की परम्परा को शांगड़ी प्रथा कहते थे।
* पर्सिवल स्पीयर ने द्वैध शासन व्यवस्था को "खुली और बेशर्म लूट" की संज्ञा दी थी।

~~मराठा साम्राज्य~~

28-02-2019 13:14